* B H - 7 5 2 *

BH-752 Seat No._____

M. A. (Part - I) (External) Examination

March / April – 2014

Prakrit : Paper - I

(Subsidiary)

(१) चारुदत्त

(२) कुवलयमाला – पे. २४९ थी २७६

Time : **3** Hours] [Total Marks : **100**

१ (અ) ગમે તે ત્રણનો ગુજરાતી, હિન્દી અથવા અંગ્રેજીમાં અનુવાદ કરો : **१५**

1 (a) Translate any three in to Gujarati Hindi or English : **15**

(१) जाव गेहं गच्छिअ जाणामि किण्णु हु संविधाविहिदा णवेति। एदं अम्हाणं गेहं। जाव पविसामि। (प्रविहयावलोक्य) जह लोहीपरिवट्टणकालसारा भूमी, णेउष्भामणसुगन्धो विअ गन्धोसुणिमित्तं विअ परिब्भमन्तो वडिवअरस जणो किण्णु खु संविधा विहिदा। आदु बुभुक्खाए ओदणमअं जीवलोअं पेक्खामि। जाव अय्या सधावेमि। अय्ये। इदो दाव।

(२) किं यात्रि धावत्रि पधावत्रि पक्खलन्ती
शाहु प्पशीद ण मलीअत्रि चिट्ठ दाव।
कामेण झम्पदि हि उज्झइ मे सलीलं
अङ्गालमज्झपडिदे विअ चम्मखण्डे॥
दुवेहि अम्हेहि अणुअन्धअन्ती जहा शिगाली विअ कुक्कुलेहि।
झणपुला मेहलणादहाझा हावेट्टणं मे हलअं हलन्ती॥

(३) तदो सो विभवमन्ददाए अस्साहीणपरिजणो विसज्जिअकुडुम्बभरणो चारित्तमतावसेसो सत्थवाहकुले पडिक्सदि। अहंपि तेण अय्येण अब्भणुञ्ञादो–अण्णं उवचिट्ठदु त्ति। कहं अण्णं एरिसंमणुस्सरअणं लभेअं तिकहं च तस्स कोमललिदमहुरसरीरजरिसकिदत्थं मे हत्थं साहारणसरीरसम्मद्देण सोअणीअं करिस्सं त्ति जादणिधेदो बद्धसरीररक्ख्खणत्थं जूदोवजीवी संवुत्तो।

(४) ब्राह्मणी किं णु खु तस्स जणस्स दादव्वं भविस्सदि। अहव एदं दइस्सं। (कर्णोस्पृष्टवा) हद्धि तालीपत्तं खु एदं। सो दाणिं परिअओ मं विलम्बेदि। किं दाणिं करिस्सं (विचिन्त्य) भोदु दिट्ठं। मम ञ्ञादिकुलादो लद्धा सदसहस्समूला मुत्तावली। तं पिअय्यउत्तो सोढीरदाए पडिच्छदि। भोदु एवं दाव करिस्सं

विदूषकःइमस्स अंधआरुप्पादिदस्स अवराहस्सकिदे भवन्तं सीसेण पसादेमि। दाणि मे हत्थ पडिच्छदुअतभवं।

(५) गणिका–हज्झे। इमं चित्तफलअंसअणीए ठावेहि. (विलोक्य) कहिं गआ हदासा। अहवाअदूरगआए होदवां। जाव ण पेक्खिस्सं। (परिक्रम्यावलोक्य) अम्मो इअं सा अदिसिणिद्धाए दिट्ठीए केण विमणुस्सेण पिबन्ती विअ सह मन्तअन्ती चिट्ठइ। तक्केमि एसो जो कोवि कएण मं याचेदि।

सज्जलक–श्रुयतां रहस्यम्।

गणिका – अजुतं पररहस्सं सोदुं अहं गमिस्सं।

(બ) (૧) નીચેનામાંથી ગમે તે પાંચ શબ્દોનું ધ્વનિ પરિવર્તન સમજાવો. $૨\frac{૧}{૨}$

(b) (1) Explain Phonological change in any five : $2\frac{1}{2}$

गेहं; कुडुम्ब; महुर; मलीअत्रि; मुत्तावली, पुत्थआ; अहवा

(૨) નીચેનામાંથી ગમે તે પાંચ રૂપો ઓળખવો : $૨\frac{૧}{૨}$

(2) Explain morphologically any five : $2\frac{1}{2}$

धावत्रि; गच्छिअ; सम्मद्देण; जणस्स; उवसप्पदु; अम्हाणं जुज्जइ

૨ (અ) ગમે તે ત્રણ સસંદર્ભ સમજાવો : ૯

2 (a) Explain with reference to the context any three : **9**

(૧) रमिदुं इच्छामि न सेविदुं।

(૨) महुरं पि बहु खादिअं अजिण्णं होइ।

(૩) भो दीविआ गणिआविअ णिस्सिणेहा संवुत्ता।

(૪) एअस्सिं दुल्लहो गुणविभवो त्ति।

(૫) सुउयारा कला सिक्खिदा अय्येण।

(બ) ટૂંક નોંધ લખો : (ગમે તે ત્રણ) ૬

(b) Write short notes on : (any three) : 6

चत्वरवृषभ; मल्लक; मासक; वरिवयस्फजन; अभिरुपपति

૩ મહાકવિ ભાસના જીવન અને સમય વિશે લખો. ૧૫

3 Write detailed account of life and time of 'महाकवि भास' 15

અથવા/OR

૩ કોઈ પણ **બે** વિશે લખો : ૧૫

3 Attempt any **two** : 15

(૧) अलंकारन्यास प्रसंग

(૨) વિદૂષકનું પાત્રાલેખન

(2) The character of विदूषक

(૩) मुक्तावली प्रसंग

૪ (અ) ગમે તે ત્રણનો ગુજરાતી હિન્દી અથવા અંગ્રેજીમાં અનુવાદ કરો : ૧૫

4 (a) Translate any three in to Gujarati, Hindi or English : 15

(૧) 'एत्थंतरम्मि पहाइओ महिंदकुमारो जयकरिणी मूले। भणियं च णेण 'जय महारायाहिराय परमेसर सिरिट्ठवम्भ–णंदण–कुमारकुवलचचंद इक्खागुवंस–बालंकुर सोम साहाणहयलमियंक अओज्झापुखरी–तिलय–णखर–पुंडरीय साहसालंकार विज्जा परिवार धरणी–कंप पर–बल–खोह माण–धण कला–कुलहरदक्खिण्ण–महोयहिं विणयावास दाण–वसण पणइ–जण–वच्छलजय कुमार त्ति।

(२) इमे य संदेसए णिसामिऊण आगया अणुदियह–पयाणएहिं गिम्हयालस्स एक्कं मासं तण्णिवासा–स्तस्स। तओ एत्थ संपत्ता। एत्थ राइणो समप्पियाइं कोसल्लियाइं, साहिया पउत्ती महारायसंतिया, पुच्छिया य तुह पडती जहा एत्थ महारायपुत्ती कुवलयचंदो पत्तोण व त्ति, जाव णत्थि णोवलद्धा पउत्ती। तओ पम्हुट्ठ–विज्जो विव विज्जाहरो विहडिय–किरिया–वाओ विव णरिन्दो, षिरुद्ध–मंतो विव मंतवाई, विसंवयंतो विव तंतवाई, सव्वहा दीण–विमणो जाओ।

(३) तं च दट्ठण कुमार, तए पेसिया धवल–विलोल–लोला चलमाणा पम्हला दिट्ठी। तीय य दिट्ठीस पुलइया केरिसा जाया। अवि य, वियसिया इव कमलिणी, कुसुमिया इव कुंदलया, विहडिया इव मंजरी, मत्ता इव करिणिया सित्ता इव वेल्लिया पीयामय–रसा इव भुयंगिया, गय–घणा इव चंदलेहिया; सुरय–असुया इव हंसिया, मिलिया इव चक्किय त्ति।

(४) ता संपयं चेव तहा करोमि जहा पुणो एरिसाणं दोहग्गाणं णपावेमि, गोयरे त्ति। देव्वं उवालहिय वणदेवयाओ विण्णविय तायं पणमिय अंबं अभिवाइय, तंपुरिसं संभरिय, भगवंतं मयणं विण्णवेमि जहा पुणो वि मह सो चेय दइओ दायव्वो त्ति। पुणो लया पास बंधिऊण अत्ताणं उब्धद्धिय वावाइस्सं ति। ता तं च इह महं ण संणज्जइ, संपयं सहीओ पावंति।

(५) कुवलयमाला जणणी पि सरहसुव्वेल्लमाण–बाहुलयाकंयण–मणि–वलय–वर–तरल–कलताल वस–पय–णिक्खेव–रेहिरा मंथरं परिसक्किया। सेसो वि विलासिणियणो मय–वस–धुम्ममाण–खलनत–चलण–चलिय–मणि–णेउर–रणरणाराव रेहिरो पणच्चिओजहिच्छं जय–जयासद्द–पूरमाण दिसिवहाओ। णिवहंति अदिट्ठ–करयलंजलि–विमुक्काओ णाणाविह वण्णाओ गंध–लुद्ध–मुद्ध–भमरोलि–माला–मुहलाओ दिव्वकुसुम वुट्ठीओ त्ति।

(બ) (૧) ગમે તે પાંચ શબ્દોનું ધ્વનિ પરિવર્તન સમજાવો. $૨\frac{૧}{૨}$

(b) (1) Explain phonetic change of any five : $2\frac{1}{2}$

अओज्झा; णहदल, किरिया; धम्म; णेउर; मुद्ध; उज्जाणे

(૨) ગમે તે પાંચ રૂપો ઓળખાવો : $૨\frac{૧}{૨}$

(2) Explain morphologically any five words : $2\frac{1}{2}$

णिसामिऊण; अम्हेहिं; णिसुणेसु; णिवडंत्ति; राइणो; समागया विलासिणियणो

૫ (અ) પૂર્વાપર સંદર્ભ આપી સમજાવો : (ગમે તે **ત્રણ**) ૯

5 (a) Explain with reference to context : (any **three**) **9**

(૧) हेलाए जोवि दिट्ठो ण होइ सो माणुसो मण्णे।

(૨) एवं होउ, किंतु होहिइ कुवलयचंदो चंदो व्व सकलंको।

(૩) ता पुत्ति कुउं साहिज्जउ जेण से उवाओ कीरइ।

(૪) अहो सच्चं नं लोए सुणीयइ किर थेरोपयावई।

(૫) तुज्झ पइय्यिय वेज्जो जरयं अवणेहिही एसो।

(બ) ટૂંક નોંધ લખો : (ગમે તે **ત્રણ**) ૬

(b) Write short notes : (any **three**) 6

पादयपूरण, पत्तच्छेज्ज; समवसरण; चच्चरी; दुर्वइखंडलयं

૬ 'कुवलयमालाकहा'ની સાહિત્યિક વિશિષ્ટતાઓ ચર્ચો. ૧૫

6 Write a note on literary pecularity of 'कुवलयमालाकहा'. 15

અથવા/OR

૬ કોઈ પણ બે વિશે લખો : ૧૫

6 Attempt any two : 15

(૧) ઉદ્યોતનસૂરિનું જીવન અને વ્યક્તિત્વ

(1) Life and Personality of 'उद्योतनसूरि'

(૨) કર્ણપૂરક પ્રસંગ

(૩) મહેન્દ્રકુમારનું પાત્રાલેખન

(3) Charactersketch of महेन्द्रकुमार